JNPA Commences First Long-Haul Double-Stack DFC Rake Operations

Mumbai, August 22, 2026: The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA), India's largest container port, has achieved a significant milestone in Dedicated Freight Corridor (DFC) operations with the departure of its first long-haul double-stack (D/S) rake.

The rake departed from JNPA at 1900 hrs on August 21, 2026, bound for CGMV, carrying 360 TEUs of Import cargo that arrived through BMCTPL operated by PSA. The movement marks a significant advancement in JNPA's long-haul rail connectivity and strengthens its capability to facilitate faster and more efficient evacuation of EXIM cargo.

The commencement of long-haul double-stack operations will enable the movement of higher volumes of cargo in a single rake, enhancing the efficiency and capacity of rail-based freight transportation. Importantly, this improved connectivity is expected to facilitate faster evacuation of import containers from the port, reduce import dwell time and enable cargo to reach its destination in shorter transit times.

The successful movement underscores JNPA's growing rail infrastructure capabilities and its readiness to support high-capacity, double-stack and long-haul freight operations. By providing an efficient rail alternative for the movement of EXIM cargo over long distances, the initiative is expected to streamline cargo evacuation, reduce logistics bottlenecks and improve supply-chain efficiency.

Enhanced integration with the Dedicated Freight Corridor network will further strengthen JNPA's connectivity with key inland destinations. Faster rail movement from the gateway port to inland locations will help improve cargo flow, reduce transit times and provide greater predictability to importers, exporters and other stakeholders across the logistics chain.

The initiative also aligns with JNPA's continued efforts to improve the overall efficiency of cargo handling and evacuation at the port. Reduced import dwell time and faster cargo movement will contribute to quicker cargo availability at inland destinations, enabling more efficient inventory management and supporting the competitiveness of India's EXIM trade.

With continuous investment in infrastructure and connectivity, JNPA is strengthening its position as a key gateway for India's international trade. The commencement of the first long-haul double-stack DFC rake represents another important step towards building a faster, more efficient, reliable and competitive multimodal logistics network for the country.

******

INDIA'S LARGEST CONTAINER PORT

जनेप प्राधिकरण JNPA

CONNECTED. COMMITED. TRUSTED

About Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA):

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of India's premier container-handling ports and a key gateway for the country's EXIM trade.
JNPA currently operates five container terminals — NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The port also has a shallow water berth for general cargo, operated by NSDT. Its liquid cargo facilities include a terminal managed by the BPCL-IOCL consortium and an additional liquid cargo terminal developed by JNPA and operated by M/s JSW-JNPT Liquid Terminal Pvt. Ltd. The port's coastal berth further strengthens maritime connectivity with other Indian ports and supports the growth of coastal cargo and container movement.

Spread across 277 hectares, JNPA also operates a strategically located multi-product Special Economic Zone (SEZ) equipped with modern infrastructure and facilities to support export-oriented industries and promote trade and investment.

Looking ahead, JNPA is developing the Vadhvan Port, an all-weather, deep-draft, greenfield port in Maharashtra and the 13th Major Port of India.

For media enquiries, please contact:
Ambika Singh |Sr. Manager (Marketing), JNPA
+91 9920372677 | ambikasingh@jnport.gov.in

JN Port: www.jnport.gov.in |LinkedIn: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority
X: @JNPort |Instagram: @jnpaport | Facebook: @JNPA

जेएनपीए ने पहली लंबी दूरी की डबल-स्टैक डीएफसी रेक परिचालन की शुरुआत की

मुंबई, 22 अगस्त 2026: भारत के सबसे बड़े कंटेनर पत्तन जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण(जेएनपीए) ने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) परिचालन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी पहली लंबी दूरी की डबल-स्टैक (डी/एस) रेक को रवाना किया।

यह रेक 21 अगस्त 2026 को शाम 7:00 बजे जेएनपीए से सीजीएमवी के लिए रवाना हुआ। इसमें बीएमसीटीपीएल के माध्यम से आए 360 टीईयू आयातित माल को ले जाया गया। यह परिचालन जेएनपीए की लंबी दूरी की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है तथा आयात-निर्यात माल की तेज और अधिक कुशल निकासी को सुगम बनाने की जेएनपीए की क्षमता को और सुदृढ़ करता है।

लंबी दूरी की डबल-स्टैक परिचालन की शुरुआत से एक ही रेक में अधिक मात्रा में माल का परिवहन संभव होगा, जिससे रेल आधारित माल ढुलाई की क्षमता और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। विशेष रूप से, बेहतर रेल कनेक्टिविटी से पत्तन से आयातित कंटेनरों की तेज निकासी, आयात माल के पत्तन पर ठहराव समय में कमी तथा कम ट्रांजिट समय में माल को उसके गंतव्य तक पहुँचाने में मदद मिलेगी।

यह सफल परिचालन जेएनपीए की बढ़ती रेल अवसंरचना क्षमताओं तथा उच्च क्षमता वाले डबल-स्टैक और लंबी दूरी के माल ढुलाई परिचालन को सुगम बनाने की उसकी तैयारियों को दर्शाता है। लंबी दूरी तक आयात-निर्यात माल की आवाजाही के लिए एक कुशल रेल विकल्प उपलब्ध कराने से इस पहल के माध्यम से माल की निकासी को सुव्यवस्थित करने, रसद संबंधी बाधाओं को कम करने और आपूर्ति श्रृंखला की कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर नेटवर्क के साथ बेहतर एकीकरण से प्रमुख अंतर्देशीय गंतव्यों के साथ जेएनपीए की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी। गेटवे पत्तन से अंतर्देशीय क्षेत्रों तक तेज रेल परिवहन से माल की आवाजाही सुगम होगी, ट्रांजिट समय कम होगा और आयातकों, निर्यातकों तथा रसद श्रृंखला से जुड़े अन्य हितधारकों को माल की आवाजाही में अधिक निश्चितता प्राप्त होगी।

यह पहल पत्तन पर माल का प्रहस्तन और निकासी की समग्र कार्यक्षमता में सुधार के लिए जेएनपीए द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों के अनुरूप है। आयातित माल के पत्तन पर ठहराव समय में कमी और तेज माल आवाजाही से अंतर्देशीय गंतव्यों पर माल की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे इन्वेंट्री प्रबंधन अधिक प्रभावी होगा और भारत के आयात-निर्यात व्यापार की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा।

बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में निरंतर निवेश के साथ जेएनपीए भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक प्रमुख गेटवे के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत कर रहा है। पहली लंबी दूरी की डबल-स्टैक डीएफसी रेक का परिचालन शुरू होना देश में अधिक तेज, कुशल, विश्वसनीय और प्रतिस्पर्धी मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

******

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पतनौ में से एक है।26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों एन.एस.एफ.टी, एन.एस.आई.सी.टी, एन.एस.आई.जी.टी, बी.एम.सी.टी और ए.पी.एम.टी का संचालन करता है| पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है।इसका संचालन न्हावा शेवा डिस्ट्रीब्यूशन टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एनएसडीटी) द्वारा किया जाता है। जेएनपीए पत्तन परिसर में स्थित एक तरल कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है, जबकि जेएनपीए द्वारा विकसित अतिरिक्त तरल कार्गो टर्मिनल का प्रचालन मेसर्स जेएसडब्ल्यू-जेएनपीटी लिक्विड टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, नव-निर्मित तटीय बर्थ देश के अन्य पत्तनों को जोड़ने के साथ-साथ तटीय कंटेनर यातायात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया बहु-उत्पाद विआक्षे भी संचालित करता है।

जेएनपीए, महाराष्ट्र में भारत के 13वें महा पत्तन, वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे डुबाव वाला, ग्रीनफील्ड पतन भी विकसित कर रहा है। इसके वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनो में शामिल होने की संभावना है, यह इसके स्थापना से ही 100% हरित पत्तन होगा।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर जाएँ:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in | लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort | इंस्टाग्राम: @jnpaport | फेसबुक: @JNPA

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

अंबिका सिंह | वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +91 9920372677 | ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

जेएनपीएकडून डीएफसी मार्गावर पहिल्या लांब पल्ल्याच्या डबल-स्टॅक रेल्वे रेकची वाहतूक सुरू

मुंबई, 22 ऑगस्ट 2026: भारतातील सर्वात मोठ्या कंटेनर बंदर असलेल्या जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरणाने (जेएनपीए) डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडॉर (डीएफसी) संचालनाला नवी गती देत, पहिल्या लांब पल्ल्याच्या डबल-स्टॅक मालवाहतूक रेल्वे रेकला यशस्वीपणे रवाना केले.

21 ऑगस्ट 2026 रोजी सायंकाळी 7 वाजता जेएनपीए येथून ही रेल्वे रेक सिजिएमव्हीच्या दिशेने रवाना झाली. पीएसए संचालित बीएमसीटीपीएल मार्फत आलेल्या आयात मालाचे 360 टीईयू या रेकमधून वाहतूक करण्यात आली. या वाहतुकीमुळे जेएनपीए ची लांब पल्ल्याच्या रेल्वे कनेक्टिव्हिटीची क्षमता अधिक बळकट झाली असून, आयात-निर्यात मालाची जलद आणि अधिक कार्यक्षम वाहतूक व निर्गमन सुलभ होणार आहे.

लांब पल्ल्याच्या डबल-स्टॅक रेल्वे वाहतुकीला सुरुवात झाल्यामुळे एका रेल्वे रेकमधून अधिक प्रमाणात मालाची वाहतूक करणे शक्य होणार असून, रेल्वेवर आधारित मालवाहतुकीची क्षमता आणि कार्यक्षमता वाढणार आहे. विशेषतः, या सुधारित रेल्वे कनेक्टिव्हिटीमुळे बंदरातून आयात कंटेनरची जलद निर्गत प्रक्रिया सुलभ होऊन, बंदरातील मालाचा मुक्काम कालावधी (ड्वेल टाईम) कमी होण्यास मदत होईल. परिणामी, माल कमी कालावधीत त्याच्या अंतिम गंतव्यस्थानी पोहोचणे शक्य होणार आहे.

या यशस्वी वाहतुकीमुळे जेएनपीए ची वाढती रेल्वे पायाभूत क्षमता तसेच उच्च क्षमतेच्या डबल-स्टॅक आणि लांब पल्ल्याच्या मालवाहतूक सेवांसाठीची सज्जता अधोरेखित होते. लांब पल्ल्याच्या आयात-निर्यात मालवाहतुकीसाठी कार्यक्षम रेल्वे पर्याय उपलब्ध झाल्याने मालाची जलद निर्गत प्रक्रिया सुलभ होऊन, लॉजिस्टिक्समधील अडथळे कमी करण्यास आणि पुरवठा साखळीची कार्यक्षमता वाढविण्यास मदत होणार आहे.

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडॉर नेटवर्कशी अधिक सक्षम एकात्मिक जोडणीमुळे जेएनपीएची देशातील प्रमुख अंतर्देशीय केंद्रांशी कनेक्टिव्हिटी आणखी मजबूत होणार आहे. गेटवे बंदरापासून अंतर्देशीय ठिकाणांपर्यंत जलद रेल्वे वाहतुकीमुळे मालाची वाहतूक अधिक सुरळीत होण्यास, ट्रान्झिट वेळेत घट होण्यास तसेच आयातदार, निर्यातदार आणि संपूर्ण लॉजिस्टिक्स साखळीतील विविध भागधारकांना अंदाजक्षमता व अधिक कार्यक्षम वाहतूक व्यवस्थेचा लाभ मिळण्यास मदत होईल.

हा उपक्रम बंदरातील माल हाताळणी आणि मालाची जलद वाहतूक सुनिश्चित करून एकूण कार्यक्षमता वाढविण्याच्या जेएनपीएच्या सातत्यपूर्ण प्रयत्नांशी सुसंगत आहे. आयात मालाचा बंदरातील साठवण कालावधी कमी होऊन मालाची जलद वाहतूक झाल्याने अंतर्देशीय ठिकाणी माल लवकर उपलब्ध होण्यास मदत होईल. यामुळे साठा व्यवस्थापन अधिक कार्यक्षम होण्यासोबतच भारताच्या आयात-निर्यात व्यापाराची स्पर्धात्मकता वाढण्यासही हातभार लागेल.

पायाभूत सुविधा आणि कनेक्टिव्हिटीच्या सातत्यपूर्ण विकासामुळे जेएनपीए भारताच्या आंतरराष्ट्रीय व्यापारासाठी एक महत्त्वाचे प्रवेशद्वार म्हणून आपले स्थान अधिक भक्कम करत आहे. पहिल्या लांब पल्ल्याच डबल-स्टॅक डीएफसी रेकच्या वाहतुकीचा प्रारंभ हा देशासाठी अधिक वेगवान, कार्यक्षम, विश्वासार्ह आणि स्पर्धात्मक मल्टिमोडल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क उभारण्याच्या दिशेने आणखी एक महत्त्वपूर्ण टप्पा ठरत आहे.

******

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) विषयी माहिती:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. 26 मे 1989 रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते एन एस एफ टी, एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी. न्हावा शेवा डिस्ट्रिब्युशन टर्मिनल प्रा. लि. (एनएसडीटी) द्वारे संचालित सामान्य मालासाठी एक उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल आयओसीएल कन्सोर्टियम द्वारे व्यवस्थापित केले जाते आणि जेएनपीएने विकसित केलेले अतिरिक्त लिक्विड कार्गो टर्मिनल मेसर्स जेएसडब्ल्यू - जेएनपीटी लिक्विड टर्मिनल प्रा. लि. द्वारे चालवले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजी पूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जेएनपीए वाढवण येथे एक सर्व-हवामान, डीप ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे, जे महाराष्ट्रातील भारताचे १३वे मोठे बंदर असेल. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ट १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

अंबिका सिंग | सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677 | ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

अधिक माहितीसाठी आमच्या वेबसाइट आणि सोशल मीडियाला भेट द्या:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in | लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort | इंस्टाग्राम: @jnpaport | फेसबुक: @JNPA